स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर, उ0प्र0–284403

Autonomous State Medical College, Lalitpur Uttar Pradesh- 284403

Email:agmclalitpur@gmail.com www.asmclalitpur.org

पत्रांक:–ए0एस0एम0सी0/देहदान/प्रमाण–पत्र/2025–26/1130 दिनांक–04/09/25

प्रमाण–पत्र

प्रतिष्ठा में, स्व0 श्री ..अज्ञात के मरणोपरान्त दिनांक–02 सितम्बर 2025 को प्रशासनिक अनुमति से "**शान्ति देहदान चेरिटैबल ट्रस्ट**" के द्वारा उनका पार्थिव शरीर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के एनाटॉमी विभाग को दान कराया गया ।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर परिवार ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये देहदान जैसे श्रेष्ठ दान के लिए कृतज्ञता प्रकट करता है।

विभागाध्यक्ष
एनाटॉमी विभाग
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
ललितपुर।

प्रधानाचार्य
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
ललितपुर।

PRINCIPAL
Autonomous State Medical College
Lalitpur

जागरण ललितपुर

गुमनाम शरीर बना जीवन का दाता, देहदान से मिला मेडिकल छात्रों को ज्ञान का वरदान

- मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा की नई शुरूआत

ललितपुर ब्यूरो : एक गुमनाम, अज्ञात शरीर, जिसका कोई नाम नहीं, कोई पहचान नहीं, उसने मृत्यु के बाद मानवता की सबसे बड़ी सेवा का परिचय दिया है। यह मार्मिक घटना स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलिज) में हुई, जहाँ शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने प्रशासन के सहयोग से इस अज्ञात शव को शिक्षा और शोध के लिए दान किया।

ललितपुर : मेडिकल कॉलिज स्टैन व स्टॉफ को देहदान करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

डॉक्टर बनने की पहली सीढ़ी

इस देहदान का महत्व शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, जैसा कि मेडिकल कॉलिज के प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला ने बताया, एक डॉक्टर के लिए मानव शरीर की आन्तरिक संरचना को समझना उसकी शिक्षा की पहली सीढ़ी होती है। यह सिर्फ एक शव नहीं, बल्कि हजारों जिंदगियों को बचाने की नींव है। एनाटॉमी विभाग के छात्र प्रयोगशाला में इसी शरीर के जरिए मानव अंगों की बारीकियों को समझेंगे, सर्जरी की ट्रेनिंग लेंगे और चिकित्सा विज्ञान के रहस्यों को सुलझाएंगे। इस गुमनाम इंसान ने अपनी मृत्यु के बाद भी ज्ञान का ऐसा दान दिया है, जिसके बिना अच्छे डॉक्टर की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

यह रहे मौजूद

उप प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलिज डॉ. श्रुति सिंह (एनाटॉमी विभाग), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. के.के. मिश्रा, डॉ. मोनिका जायसवाल, डॉ. संध्या शाक्य, (संकल्पित-देहदानी) जेपी यादव, गौरीशंकर सैन, द्रोपती सेन, राकेश सैन, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, मनोज राठौर के अलावा ट्रस्टियों में सुषमा साध, परवेज पठान, अंकुर जैन, अज्जू बाबा, अनिल साहू, चन्दे साहू, रामबाबू यादव, कृष्णपाल सिंह यादव, आदर्श साध मौजूद रहे। संचालन महासचिव राजपाल सिंह फौजी का व आभार संस्थापक खुशालचन्द साहू ने प्रकट किया।

एक नई पहल की शुरुआत

यह मानव कल्याण का काम करने वाली जिले की पहली संस्था है। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने यह साबित कर दिया है कि समाजसेवा के लिए किसी बड़े नाम की नहीं, बल्कि नेक इरादे की जरूरत होती है। इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक खुशालचंद साहू ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य देहदान के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ताकि कोई भी शरीर यूं ही व्यर्थ न जाए। यह देहदान महोत्सव सिर्फ एक शव का दान नहीं, बल्कि एक ऐसी नई शुरुआत है, जो समाज को यह संदेश देती है कि मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा की जा सकती है।

प्रथम देहदान महोत्सव

अज्ञात मानव शव मेडीकल कॉलेज को कराया दान

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने कराया पुण्य कार्य

अवध की जंग

ललितपुर। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी ओर से एक अज्ञात शव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडीकल कॉलेज) को दान कराया है। इस कार्य को लेकर जिले में ट्रस्ट की काफी सराहना की गयी है। मानव देह शरीर की संरचना की आंतरिक जानकारी के माध्यम से चिकित्सक बनाने की पहली सीढ़ी है। इससे एनाटॉमी विभाग द्वारा एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों को पठन पाठन में मदद मिलती है। मानव देह ही एकमात्र माध्यम है जिसके द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों पर रिसर्च कर उनके इलाज एवं सर्जरी ट्रेनिंग दी जाती तब कहीं डाक्टर बन पाते हैं। इसलिए मानव देह के बिना डाक्टर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस मानव कल्याण के कार्य का बीड़ा उठाने वाली पहली संस्था शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ललितपुर है। इस दौरान प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला, सीएमएस डा.गजेन्द्र सिंह, एनाटॉमी विभाग से डा.श्रुति सिंह, डा.के.के.मिश्रा, डा.मोनिका जायसवाल, डा.संध्या शाक्य, (संकल्पित देहदानी) जे.पी.यादव, गौरीशंकर सेन, द्रोपती सेन, राकेश सेन, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, मनोज राठौर के अलावा ट्रस्टी सुषमा साध, परवेज पठान, अंकुर जैन (सानू बाबा), अज्जू बाबा, अनिल साहू, चन्दे साहू, रामबाबू यादव, कृष्णपाल सिंह यादव, आदर्श साध मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव राजपाल सिंह फौजी ने व आभार संस्थापक खुशालचन्द साहू ने जताया।

प्रथम देहदान महोत्सव अंतर्गत देहदान कराते संस्था पदाधिकारी

प्रथम देहदान महोत्सव : अज्ञात मानव शव मेडीकल कॉलेज को कराया दान

शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट ने कराया पुण्य कार्य

ललितपुर। शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी ओर से एक अज्ञात शव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडीकल कॉलेज) को दान कराया है। इस कार्य को लेकर जिले में ट्रस्ट की काफी सराहना की गयी है। मानव देह शरीर की संरचना की आंतरिक जानकारी के माध्यम से चिकित्सक बनाने की पहली सीढ़ी है। इससे एनाटॉमी विभाग द्वारा एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों को पठन पाठन में मदद मिलती है। मानव देह ही एकमात्र माध्यम है जिसके द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों पर रिसर्च कर उनके इलाज एवं सर्जरी ट्रेनिंग दी जाती तब कहीं डाक्टर बन पाते हैं। इसलिए मानव देह के बिना डाक्टर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस मानव कल्याण के कार्य का बीड़ा उठाने वाली पहली संस्था शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट ललितपुर है। इस दौरान प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला, सीएमएस डा.गजेन्द्र सिंह, एनाटॉमी विभाग से डा.श्रुति सिंह, डा.के.के.मिश्रा, डा.मोनिका जायसवाल, डा.संध्या शाक्य, (संकल्पित देहदानी) जे.पी.यादव, गौरीशंकर सेन, द्रोपती सेन, राकेश सेन, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, मनोज राठौर के अलावा ट्रस्टी सुषमा साध, परवेज पठान, अंकुर जैन (सानू बाबा), अज्जू बाबा, अनिल साहू, चन्दे साहू, रामबाबू यादव, कृष्णपाल सिंह यादव, आदर्श साध मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव राजपाल सिंह फौजी ने व आभार संस्थापक खुशालचन्द साहू ने जताया।